वर्ष :: 33 अंक : 15
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 08 जनवरी, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो के मंच से पुलिस कर्मियों के हित में हेमंत सरकार का बड़ा ऐलान, बोले सीएम-

ट्रेनिंग सेंटरों और जैप मुख्यालयों की बदलेगी सूरत, नई स्वास्थ्य-व्यवस्था भी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : राज्य के सभी पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों, पुलिस लाइन और जैप मुख्यालयों का आने वाले दो वर्षों के भीतर पूरी तरह से जीर्णोद्धार होगा और उनकी सूरत बदल जाएगी। यही नहीं, पुलिसकर्मियों के लिए सरकार अलग से स्वास्थ्य-व्यवस्था बहाल करने की योजना भी तैयार कर रही है। यह आश्वासन दिया है कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने। यहां के जैप-4 में प्रशिक्षण-प्राप्त जवानों के पारण परेड समारोह को वह बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों और संस्थानों में जाने का मौका मिलता है। इस दौरान वहां की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने के दौरान कई समस्याएं व्याप्त होने की बात मालूम होती है। इसका सीधा असर प्रशिक्षण देने वालों और प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों पर होता है। ऐसे में आपको आश्वस्त करता हूं अगले दो 2 वर्षों के अंदर सभी प्रशिक्षण केंद्रों, जैप मुख्यालयों और पुलिस लाइन केंद्रों का जीर्णोद्धार कर लिया जाएगा, ताकि बेहतर माहौल में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की अपनी स्वास्थ्य सेवा हो, इस दिशा में सरकार विचार कर रही है। इसका मकसद पुलिसकर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे और भी बेहतर तरीके से अपने कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि झारखंड पुलिस के विभिन्न ट्रेनिंग संस्थानों से 1892 जवान प्रशिक्षण प्राप्त कर राज्य की सेवा के लिए अपना योगदान देने जा रहे हैं। इन जवानों में कुल 630 महिला आरक्षी अपने सहकर्मी पुरुष आरक्षियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान देने जा रही हैं, यह पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में महिलाओं की बढ़ रही भागीदारी महिला सशक्तिकरण की मिसाल है। मुख्यमंत्री ने बोकारो स्थित जैप- 4 ग्राउंड में एसआईआरबी- 01 दुमका, एसआईआरबी- 2 खूंटी, आईआरबी-8 गोड्डा के जवानों के पारण परेड समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जैप- 4 परिसर में वृक्षारोपण किया, साथ ही परिसर हेतु आरओ प्लांट का भी उद्घाटन किया।

प्रशिक्षण पुलिसकर्मियों के जीवन का अहम हिस्सा

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण-प्राप्त पुलिसकर्मियों से कहा - आपने यहां जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वह तो एक शुरूआत है। आप जब अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तो आपको कई नई और अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में इन चुनौतियों से निपटने में आपका प्रशिक्षण, बुद्धि और विवेक काम आएगा। प्रशिक्षण अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है, जिससे आप अपने आप को और बेहतर और कुशल बनाते हैं ।

बेस्ट कैडेट किए गए सम्मानित- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बेस्ट कैडेट (ओवरऑल) अर्चना कुमारी, बेस्ट कैडेट (इंडोर) भीमराज विश्वकर्मा, बेस्ट कैडेट (आउटडोर) विक्रम कुमार तिवारी और बेस्ट कैडेट (शूटिंग) मंजू कुमारी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा ट्रेनिंग -इन-चार्ज और पुलिस उपाधीक्षक विनोद कुमार महतो सम्मानित किए गए।

574 जवानों ने सफलतापूर्वक पूरा किया प्रशिक्षण

सत्र 2020-22 के 574 जवानों ने बोकारो जैप- 4 के प्रशिक्षण संस्थान में कुल 215 दिन का बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसमें एसआईआरबी-01 दुमका के कुल 13 जवान जिसमें 4 पुरुष एवं 9 महिला, एस.आई.आर.बी- 2 खूंटी के कुल 5 पुरुष जवान, आई.आर.बी-8 गोड्डा के कुल 556 जवान, जिसमें 377 पुरुष एवं 179 महिला जवानों ने विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ये गणमान्यजन रहे मौजूद

पारण परेड समारोह में गोमिया विधायक लंबोदर महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, डीजीपी नीरज सिन्हा, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, एडीजीपी प्रशांत सिंह, डीजीपी (ट्रेनिंग) अनुराग गुप्ता, आईजी ट्रेनिंग प्रिया दुबे, बोकारो के उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक बोकारो चंदन कुमार झा, जैप- 4 के समादेष्टा अश्विनी कुमार, जैप -4 के पदाधिकारी, प्रशिक्षु जवान एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

वेदर रिपोर्ट 15 जनवरी तक ऐसे ही रहेंगे हालात, कोहराम भी... बादल, पुरवइया हवा, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी ने बढ़ाई परेशानी

सर्द हुई बेदर्द, ठिठुर रहा झारखंड

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड में सर्दी का सितम अब अपने चरम पर दिख रहा है। राजधानी रांची सहित रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गिरिडीह समेत पूरा राज्य कोहरे और शीतलहर का कोहराम झेल रहा है। सर्दी का सितम अब जानलेवा बन चुकी है। ठंड के कारण राज्य में खबर लिखे जाने तक तीन लोगों की मौत की खबर है। एक ही दिन के भीतर पलामू के विभिन्न इलाकों में ठंड से तीन लोगों की जान चली गई। इसके अलावा घर-घर लोग सर्दी-खांसी, जुकाम, बुखार, डिहाइड्रेशन जैसी बीमारियों से ग्रसित हैं। बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी हो रही है, जिनका ध्यान रखने को मौसम विभाग ने भी सुझाव दिया है। हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंडी हवा में सिहरन ऐसी है कि लोग दिनभर अपने घरों में दुबकने को विवश हैं। राज्य में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मैस्कुलीगंज में पारा सबसे कम 5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि अन्य जगहों पर न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक है। ऊपर से 14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक चलने वाली शीतलहर ने परेशानी और बढ़ा दी है। कोहरे का भी असर ऐसा रहा कि विजिबिलिटी घटकर मात्र 20-25 मीटर तक रह गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार बादल, पुरवइया हवा और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण ठंड ज्यादा महसूस हो रही है। आगामी लगभग 15 जनवरी तक फिलहाल ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। बता दें कि झारखंड में ठंड और कोहरे के चलते मौसम विभाग ने येलो अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया। राज्य में लगातार बढ़ती ठंड को देखते हुए ही सरकार ने सभी सरकारी और गैरसरकारी स्कूलों के कक्षा एक से पांचवीं तक की कक्षाएं बंद करने का **(शेष पेज- 7 पर)**

सूर्यदेव पर पवन देव भारी, धूप के बाद सता रही बर्फीली हवा

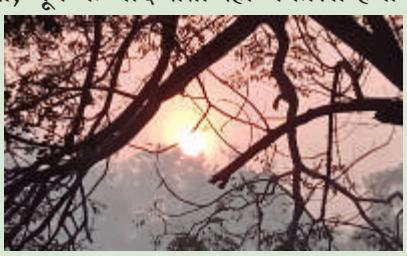

ठंड का आलम यह है कि इन दिनों खिली धूप के बावजूद बर्फीली हवा काफी सता रही है। सर्द हवाएं चलने के कारण खिली धूप का असर भी फीका दिख रहा है। सूर्यदेव का दर्शन तो हो रहा है, परंतु लगातार ठंडी हवाओं के कारण पवन देव ज्यादा असरदार दिख रहे। न्यूनतम तापमान में विगत 5.6 डिग्री की गिरावट आ गई। बुधवार को बोकारो जिले का न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री था, जो लुढ़ककर शनिवार को 6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हाड़ कंपकंपा देने वाली इस ठंड के बावजूद पांचवीं कक्षा से ऊपर के विद्यार्थी और स्कूलों के शिक्षक सुबह-सुबह सेहत जोखिम में डाल स्कूल जाने को विवश हैं। विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों ने जिला प्रशासन से विद्यालय के पठन-पाठन समय में परिवर्तन की मांग की है।

– संपादकीय –

समाज को फिर बांटने की साजिश

राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के चक्कर में समाज को किस कदर बांटते हैं और हमारे समाज पर इसका क्या असर पड़ता है, इसका उदाहरण पहले भी हमारे सामने आ चुका है, जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद सदियों से एकसाथ मिल-जुलकर रहने वाला हमारा समाज जातिगत भेद-भाव के आधार पर विभक्त हो गया था। इन्हीं राजनीतिज्ञों के कारनामों के कारण उन दिनों हमारा सामाजिक ताना-बाना पूरी तरह ध्वस्त हो गया था और विद्वेष की भावना से लोग एक-दूसरे के विरुद्ध न सिर्फ आग उगलने लगे, बल्कि एक-दूसरे को मरने-मारने पर उतारू हो गए थे। सच कहें तो पूरे हिन्दू समाज के बीच गृहयुद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एकबार फिर इसी नक्शेकदम पर चल पड़े हैं। वर्ष 1931 में अंग्रेजी शासनकाल के बाद बिहार में पहली बार अब जातीय गणना शुरू हो गई है। सरकार के नुमाइंदे घर-घर जाकर लोगों से उनकी जाति पूछेंगे। दो चरणों में होने वाली गणना के प्रथम चरण में 7 से 21 जनवरी तक मकानों की गिनती होगी और दूसरे चरण में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक कौशल (स्किल) के साथ लोगों की जाति की गिनती की जाएगी। नीतीश सरकार द्वारा की जा रही इस जातीय गणना पर सरकारी खजाने से लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसकी रिपोर्ट जून 2023 में जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 1931 में ब्रिटिश शासन काल के बाद बिहार में ऐसी कोई गणना नहीं हुई थी। अंग्रेजों ने ऐसी गणना सिर्फ इसलिए करवायी थी, ताकि हिन्दू समाज को विभक्त किया जा सके और 'फूट डालो- राज करो' की उनकी नीति सफल हो सके। हालांकि, केन्द्र सरकार द्वारा 2011 में जनगणना करवायी गई थी और उसके बाद आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण भी कराया गया था। बिहार में नीतीश सरकार द्वारा शुरू करवायी गई इस जातीय गणना पर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यह दावा कर रहे हैं कि इस जातीय गणना से देश के विकास और हर तबके के उत्थान में मदद मिलेगी। जबकि, कुछ अर्थ-शास्त्रियों का मानना है कि मंडल कमीशन के बाद बिहार में एक बार फिर जातीय भावना भड़क सकती है। उधर, बिहार में भाजपा भी नीतीश सरकार के इस फैसले के खिलाफ मुखर हो गई है। भाजपा का कहना है कि सरकार उपजातियों की भी गणनना करवाये। हालांकि, विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा सरकार के इस फैसले को निरुद्देश्य बताते हैं। सच तो यह है कि वंचितों की पहचान सरकार के पास पहले से ही उपलब्ध है। सरकार चाहे तो शोषितों व वंचितों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध करवा सकती है। लेकिन, अगर इस जातीय गणना के पीछे सिर्फ राजनीतिक उद्देश्य हो तो उस पर सवाल उठना लाजिमी है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

स्वामी विवेकानंद : युवाओं के प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व

12 जनवरी : जयंती पर विशेष

दुनिया में हिन्दू धर्म और भारत की प्रतिष्ठा स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद ने एक आध्यात्मिक हस्ती होने के बावजूद युवाओं के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। स्वामी विवेकानंद को देश और युवाओं से काफी प्यार था और उन्होंने युवकों को प्रेरित करने के लिए काफी कुछ कहा। विवेकानंद का मानना था कि विश्व पर भारत की पुनर्प्रतिष्ठा में युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। दरअसल, स्वामी विवेकानंद में मेधा, तर्कशीलता, युवाओं के लिए प्रासंगिक उपदेश जैसी कुछ ऐसी बातें हैं कि युवा उनसे प्रेरणा लेते हैं।

माता की धार्मिक प्रवृत्ति और पिता के विचारों से थे प्रभावित

स्वामी विवेकानंद का जन्म कोलकाता में विश्वनाथ दत्ता के कुलीन परिवार में 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। कलकत्ता उच्च न्यायालय के अटार्नी उनके पिता बहुत ही उदार एवं प्रगतिशील व्यक्ति थे। विवेकानन्द की मां भुवनेश्वरी देवी धार्मिक विचारों वाली महिला थीं। स्वामी विवेकानंद का बचपन का नाम नरेंद्रनाथ था और उन पर अपने पिता के तर्कसंगत विचारों तथा मां की धार्मिक प्रवृति का असर था। विवेकानंद पढ़ाई लिखाई में बहुत तेज थे। स्वामीजी ने धर्मग्रंथों के अलावा विविध साहित्यों का भी गहन अध्ययन किया। वह ब्रह्म समाज से जुड़े, लेकिन वहां उनका मन नहीं रमा।

शुरू में नहीं माना था रामकृष्ण को गुरु

एक दिन नरेन्द्रनाथ अपने मित्रों के साथ स्वामी रामकृष्ण परमहंस के यहां गए। जानकार बताते हैं कि जब नरेंद्रनाथ ने भजन गाया तब परमहंस बहुत प्रसन्न हुए। कर्मशील नरेंद्रनाथ ने परमहंस से पूछा, 'क्या आप ईश्वर में विश्वास करते हैं। क्या आप उन्हें दिखा सकते हैं।' परमहंस ने उनके सवालों का 'हां' में जवाब दिया। विवेकानंद ने प्रारंभ में परमहंस को अपना गुरु नहीं माना, लेकिन काफी समय तक उनके संपर्क में रहकर वह उनके प्रिय शिष्य बन गए। परमहंस के आध्यात्मिक सपर्क से उनके मन की अशांति जाती रही। बताया जाता है कि दुनियाभर में स्वामी रामकृष्ण को स्वामी विवेकानंद के चलते ही ख्याति मिली।

धर्मसंसद में विश्वमंच पर किया गौरवान्वित

वर्ष 1893 में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के ओजपूर्ण भाषण से ही विश्वमंच पर न केवल हिन्दू धर्म, बल्कि भारत की भी प्रतिष्ठा स्थापित हुई। 11 सितंबर, 1893 को इस संसद में जब उन्होंने अपना संबोधन 'अमेरिका के भाइयों और बहनों' से प्रारंभ किया तब काफी देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। उनके तर्कपूर्ण भाषण से लोग अभिभूत हो गए। उन्हें निमंत्रणों का तांता लग गया। स्वामी विवेकानंद ने देश और दुनिया का काफी भ्रमण किया। वह नर सेवा को ही नारायण सेवा मानते थे। उन्होंने रामकृष्ण के नाम पर रामकृष्ण मिशन और मठ की स्थापना की। चार जुलाई, 1902 को उन्होंने बेल्लूर मठ में अपने गुरूभाई स्वामी प्रेमानंद को मठ के भविष्य के बारे में निर्देश देने के बाद महासमाधि ले ली। आजकल युवाओं को स्वामी विवेकानंद के सिद्धांत भाते जरूर हैं, परंतु उनके जीवन में इन सिद्धांतों का कोई खास असर नहीं दिख रहा है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि स्थिति धीरे-धीरे बदलेगी।

– प्रस्तुति : गंगेश

मैथिली काव्यकृति

बड़ कनकन्नी

सुधीर कुमार झा, कोलकाता

बड़ कनकन्नी...
हाथ पाएर सब ठिठुरि
गेल अछि।
दम लगौने मेघ,
निपत्ता सुरुज भेल
अछि।।

एक तं ओहिना मास
जाड़ के,
दोसर पानि पड़इ अछि।
भेलइ मेघ में भूर,
झहरि-झहरि क बरसि
रहल अछि ।।

कम होइत आब गेल
पहुंचि,
अछि पारा डिग्री सात।
कट-कट बाजि रहल
अछि दांत,
कांपि रहल अछि गात।।

सर्द एतेक अछि पानि,
सोचि मन सिहरि रहल
अछि।
निकलय के बाहर
कम्मल सं,
हिम्मत टूटि रहल
अछि।।

निर्णय लेल, ने निकलब
बाहर,
जे हेतई से हेतई।
जान बचौने लाखहुं
पाबी,
सभ किछु नीके रहतई।।

प्रकृतिक नियमक
कारणें,
सर्दी, गर्मी, बारिश।
या मेघ सुरुज समझौता
कऽ कऽ,
कयलक कोनो साजिश?

या कोनो अछि पैघ
घोटाला,
कोनो पार्टीक हाथ?
सभ केओ अछि अलग-
अलग,
या एहि मुद्दा पर साथ?

ने कोनो आरोप देखई
छी,
आ ने प्रत्यारोप।
बुझि पड़इत अछि नेता
सभ,
सेहो धेने अछि खोप।।

सोचि रहल अछि ई
कनकन्नी,
नहि अछि जाति
आधारित।
वोट बैंक केकरो की
हेतइ?
एहि सं कोनो प्रभावित।।

तें ने कोनो शोर देखई
छी,
ने केकरो वक्तव्य।
हमहूं सभ आब काज मे
लागी,
चली अपन गन्तव्य।।

विकास का नया मंत्र- जहां चुनौती, वहीं उन्नति

नए साल में डीआई अमरेंदु प्रकाश ने दिया मूलमंत्र, कहा- सभी के सहयोग से बोकारो को ले जाएंगे उत्कृष्टता के शिखर पर

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : 'जहां चुनौती, वहीं उन्नति'। विकास का यह मूलमंत्र दिया है बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी (डीआई) अमरेंदु प्रकाश ने। नए साल में नए तरीके से नए मंत्र के साथ के साथ विकास का यह सूत्र धरातल पर उतारने को लेकर उन्होंने सभी बीएसएसकर्मियों और नगरवासियों से सहयोग की अपील की है। नववर्ष के शुभ अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने इस्पातकर्मियों से मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। विभिन्न विभागों में उनके भ्रमण के दौरान उनके साथ अधिशासी निदेशकगण तथा अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी (डीआई) व उनके सहयोगियों ने सबसे पहले इस्पात भवन परिसर तथा बोकारो जेनरल अस्पताल में कर्मियों से भेंट कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। तदुपरांत निदेशक प्रभारी तथा उनके सहयोगियों ने संयंत्र के विभिन्न शॉप का दौरा कर कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस दौरान कर्मियों ने भी बड़ी गर्मजोशी से निदेशक प्रभारी और वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नववर्ष के अपने संदेश में निदेशक प्रभारी ने संयंत्र के साथ साथ टाउनशिप की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए सभी को नए साल में एक नए लक्ष्य और एक नयी ऊंचाई को छूने का संकल्प लेने का संदेश दिया। उन्होंने कर्मियों से नव वर्ष के लिए 'जहां चुनौती, वहीं उन्नति' का मूल मंत्र साझा करते हुए उन्हें सभी चुनौतियों को अवसर में बदलने का संदेश भी दिया, ताकि नए साल में बोकारो स्टील समूह सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के नए बेंचमार्क स्थापित कर सके। कहा कि सभी के सहयोग से बोकारो स्टील प्लांट के साथ-साथ बोकारो इस्पात नगर को उत्कृष्टता के शिखर पर स्थापित करेंगे।

50 सालों के इतिहास में बोकारो सबसे आगे

नगरवासियों को नववर्ष की शुभकामना देते हुए निदेशक प्रभारी श्री प्रकाश ने कहा कि हम लगातार विकास की ओर आगे बढ़ रहे हैं। शहर में रहने वाले लोगों के लिए कुछ सड़कें ठीक हुई हैं और बिजली-व्यवस्था में भी सुधार हुआ है। पेयजल की सुविधा को लेकर भी काम चल रहा है, लेकिन उस काम को गति देने की आवश्यकता है। सेक्टर छह से सेक्टर 12 तक की सड़कों को ठीक करने का काम भी चल रहा है। अगर कहीं लगे कि काम अच्छा नहीं हो तो उसकी शिकायत आप कर सकते हैं। आपकी बातों पर भी ध्यान दिया जाएगा। बोकारो स्टील प्लांट हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उत्पादन से लेकर फाइनांस तक में अच्छी प्रगति हुई है। हम पिछले 50 सालों के इतिहास में आज सबसे आगे हैं। हमें और आगे जाना है। नए साल में बीएसएल और अधिक समृद्ध होने की दिशा में काम कर रहा है। एसआरयू, झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के साथी भी हर क्षेत्र में बढ़ोतरी की दिशा में काम कर रहे हैं।

बनेगा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

डीआई ने कहा कि नगर सेवा के तहत बीएसएल की ओर से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना होगी। पिछले तीन वर्षों में कोरोनाकाल में काफी कुछ देखने को मिला। जिसमें कुछ कमियां भी देखने को मिली। इसको देखते हुए हाल के दिनों में बीजीएच में डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। जल्द ही टेक्नीशियन और नर्सों की बहाली भी की जाएगी। कुल मिलाकर बीजीएच की व्यवस्था में काफी सुधार आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

मार्च तक शुरू होगा प्लांट का विस्तारीकरण, 5 एमटी का बनेगा एक और प्लांट

निदेशक प्रभारी ने बताया कि बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण के प्रथम चरण का काम भी नए साल में अगले दो माह के भीतर शुरू हो जाएगा। इसके लिए प्लांट प्रबंधन ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है, जिसके तहत प्लांट की कई महत्वपूर्ण यूनिट को अपग्रेड किया जाएगा। वहीं, कई नई यूनिट की स्थापना भी की जाएगी। इस प्रोजेक्ट में करीब 1800 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसके तहत प्लांट के यूनिट स्टील मेल्टिंग शॉप, ब्लास्ट फर्नेस, हॉट स्ट्रिप मिल्स सहित सिंटर प्लांट को संवर्धित किया जाएगा, ताकि हॉट मेटल का उत्पादन लक्ष्य के अनुरूप बढ़ाया जा सके। प्लांट की कुल हॉट मेटल उत्पादन-क्षमता बढ़ाकर 7.50 मिलियन टन करने का लक्ष्य है। पहली परियोजना पर काम खत्म होने के बाद दूसरे प्रोजेक्ट के लिए बोकारो में एक और 5 मिलियन टन क्षमता का अन्य स्टील प्लांट स्थापित किया जाएगा, ताकि स्टील का उत्पादन दूसरे फेज में 14 मिलियन टन तक के लक्ष्य को हासिल किया सके। डीआई के मुताबिक बीएसएल का उत्पादन लक्ष्य वर्ष 2026 तक 7.50 मिलियन टन है। प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। बोकारो स्टील प्लांट में जिस गति से उत्पादन बढ़ेगा, उस गति से मैनपावर की भी जरूरत होगी। फिलहाल बोकारो स्टील प्लांट में कामगारों की संख्या करीब 8 हजार है, जबकि ठेका मजदूरों की संख्या 12 हजार से अधिक है। लेकिन, विस्तारिकरण के बाद प्लांट में कार्य करनेवाले मजदूर और अधिकारियों की संख्या में भी उत्पादन के दृष्टिकोण से बढ़ोत्तरी की जाएगी। जिससे करीब 2 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल सकेगा।

गुड न्यूज लाइसेन्सिंग स्कीम के तहत होगा खाली ई, एफ व ईएफ प्रकार के आवासों का आवंटन

इस्पातनगरी में फिर सहज हुआ आशियाना

12 फरवरी तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे फार्म, 7 आवास की दे सकेंगे पसंद

संवाददाता

बोकारो : इस्पातनगरी में अपना आशियाना बसाने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है।बीएसएल, बीपीएससीएल तथा बोकारो स्थित सेल की अन्य इकाइयों के भूतपूर्व कर्मचारी जो कंपनी की सेवा से 30-06-2022 या उससे पहले पृथक हुए हों अथवा उनके पति-पत्नी या आश्रितों को अब आवास लाइसेन्स योजना के तहत जनवृत-1, जनवृत- 2, जनवृत-5, जनवृत- 6, जनवृत-8, जनवृत-9, जनवृत-11, जनवृत-12 तथा कैम्प-2 के ई, एफ, ईएफ प्रकार के आवास लाइसेंस के तहत आवंटित किए जाएंगे। लाइसेन्स योजना के इस स्कीम के लिए नगर सेवा विभाग की सूचना पट्ट पर खाली ई, एफ, ईएफ प्रकार आवास की सूची डिस्प्ले की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार डिस्प्ले की गयी आवासों की सूची में से आवंटन हेतु अधिकतम सात आवास का चॉइस भर सकते हैं। इस योजना के तहत लाइसेंस पर आवास आवंटन हेतु फॉर्म 11 जनवरी 2023 से स्टेट बैंक कलेक्ट पर ऑनलाइन उपलब्ध है। इच्छुक आवेदकों को स्टेट बैंक कलेक्ट के वेबसाइट पर ही फॉर्म ऑनलाइन जमा करना होगा। ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 12 फरवरी 2023 तय की गई है। आवेदन की प्रिंटेड प्रति नगर सेवा भवन के मेन गेट पर अवस्थित काउन्टर में 13 फरवरी 2023 तक जमा की जा सकती है। इस योजना के तहत आवेदक को एक ही आवास आवंटित की जाएगी। इस योजना के लिये 1000 रुपए मात्र प्रोसेसिंग शुल्क रखा गया है। लाइसेन्स पर आवास आवंटन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर 1,50,000 रुपए मात्र तथा अन्य शुल्क के तौर पर 47,190 रुपए मात्र जमा करना तय किया गया है। विस्थापित श्रेणी के आवेदकों को सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर 75,000 रुपए मात्र जमा करना होगा। आवास लाइसेन्स योजना की अन्य शर्तों से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए इससे संबंधित सर्कुलर देखी जा सकती है।

इन्हें नहीं मिल पाएगा योजना का लाभ

बीएसएल, बीपीएससीएल तथा बोकारो स्थित सेल की अन्य इकाइयों के वैसे भूतपूर्व कर्मचारी अथवा उनके पति-पत्नी या आश्रित इस योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगे, जिन्होंने कंपनी आवास पूर्व में लाइसेंस या लीज पर लिया हो वर्तमान में भी उनके नाम पर यह आवास हो। बीएसएल, बीपीएससीएल तथा बोकारो स्थित सेल की अन्य इकाइयों के वैसे भूतपूर्व कर्मचारी अथवा उनके पति-पत्नी जिनके नाम पर बीएस सिटी में आवासीय अथवा व्यावसायिक प्लॉट हो या वैसे भूतपूर्व कर्मचारी, जिनके पति-पत्नी के नाम पर बीएसएल का आवास आवंटित हो अथवा कंपनी आवास लीज पर आवंटित हो वे भी इस योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगे। इसके अलावा वैसे भूतपूर्व कर्मचारी अथवा उनके पति/पत्नी भी इस योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगे जो सेवा से टर्मिनेट/डिसमिस किये गये हों।

सीटीपीएस को चुस्त- दुरुस्त रखना सबकी जिम्मेदारी : पांडेय

नए साल में अधिकारियों से अपने दायित्वों के निष्ठापूर्ण निर्वहन का किया आह्वान

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र की इकाई 7-8 के सम्मेलन कक्ष में नववर्ष के उपलक्ष्य में डीवीसी के अधिकारियों की एक बैठक हुई। बैठक में मुख्य अभियंता सह परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने प्लांट के सभी विभागों को चुस्त-दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी सभी अधिकारियों को निभाने के निर्देश दिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए आने वाले दिनों के लिए मंगलकामना की। श्री पांडेय ने क्रमवार सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को जिम्मेदारी का बोध कराया और कहा कि सक्षम पदाधिकारी निर्णय लें। हम उनके निर्णय के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही निर्णय होना जरूरी है। पेंडिंग कार्य को अविलंब निष्पादित करें। चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट को सुचारू रूप से चलाने के लिए हम सभी मिलकर सतत प्रयास करते रहें।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अभियंता परिचालन देवव्रत दास ने मुस्तैदी से अपने काम करने पर बल दिया।

बैठक के बाद वरीय अधिकारियों ने केक काटकर नए साल की खुशियां साझा कीं। मौके पर उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास, उपमुख्य अभियंता एसके शर्मा, पीसी साहु, केके सिंह, सुजीत कारक, संजय कुमार, बालमुकुंद प्रजापति, दिलीप कुमार, संजय कुमार, अजय कुमार सिंह ,एल पी गुप्ता, एके चंद्रशेखर , राजकुमार चौधरी, दिलीप कुमार, अमित कुमार, दीपक कुमार, रौशन कुमार सिंह, राजीव राय, सुजीत कुमार, प्रकाश कुमार, पुष्पा सेन, सुप्रभा जोली सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

नेशनल कन्वेंशन में बीएसएल का दबदबा

राष्ट्रीय स्तर पर किया अपना झंडा बुलंद, 17 टीमों को मिला पार एक्सीलेंस अवार्ड

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) द्वारा महाराष्ट्र के औरंगाबाद में आयोजित नेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कंसेप्ट (एनसीक्यूसी) 2022 मे पार-एक्सीलेंस एंव एक्सीलेंस अवार्ड जीतकर बोकारो स्टील प्लांट की टीमों ने परचम लहराया है। बोकारो स्टील प्लांट की क्यू सी (क्वालिटी सर्किल) टीमों ने बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के मार्गदर्शन में अपनी सृजनशीलता को ऊंची उड़ान देने में कामयाबी हासिल की है। एनसीक्यूसी 2022 में बोकारो की 20 टीमें भाग ली थीं, जिसमें 17 टीमों को प्रतियोगिता का सर्वोच्च पुरस्कार पार-एक्सीलेंस अवार्ड तथा तीन टीमों को एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया। वर्ष 2021 में 41 फीसदी टीमों ने पार-एक्सीलेंस अवार्ड जीता था। वर्ष 2022 में अपने ही प्रदर्शन को बेहतर करते हुए बोकारो की 85% टीमों ने पार-एक्सीलेंस एवार्ड जीता कर एक नया कीर्तिमान रचा है। एनसीक्यूसी 2022 में बोकारो की सभी टीमों ने अपने विभाग में संपूरित किए गए सृजनशील कार्य पर केस स्टडी प्रस्तुत किया. इन केस स्टडी का मूल्यांकन तथा केस स्टडी प्रस्तुति का मूल्यांकन विशेषज्ञ जजों के माध्यम से कराया गया। इस वर्ष लिखित प्रस्तुति केस स्टडी तथा प्रत्यक्ष प्रस्तुतियां का समग्र मूल्यांकन और नॉलेज टेस्ट में प्राप्त अंकों को जोड़कर परिणाम की घोषणा की गई, बोकारो स्टील की टीमों ने प्रतियोगिता के प्रत्येक वर्ग में भाग लिया तथा सभी वर्गों में पार-एक्सीलेंस अवार्ड जीत कर अपने इनोवेशन की धमक दिखाई।

पार-एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त करने वाली टीमों में क्यूसी 1713 (अचिंत्य) एसएमएस-2 एवं सीसीएस, क्यूसी 2013(कल्पतरू) डीएनडब्ल्यू, क्यूसी 711(अभ्युदय) डिजाइन ब्यूरो, क्यूसी 701(जिज्ञासा) हॉट स्ट्रिप मिल, क्यूसी 480 (विक्रांत) सिंटर प्लांट, क्यूसी 2636(विकास) ऑपरेशन गैरेज एंड सीबीआरएस, क्यूसी 1818 (प्रभात) सामान्य अनुरक्षण मैकेनिकल, क्यूसी 692 (सौरव) कैपिटल रिपेयर मैकेनिकल, क्यूसी 3505 (चिराग) हैवी मेंटेनेंस मैकेनिकल, क्यूसी 1627 (सेवांजलि) कैपिटल रिपेयर इलेक्ट्रिकल, क्यूसी 145 (शक्ति) ईटीएल, क्यूसी 777 (पहल) आरजीबीएस, क्यूसी 295 (मानसरोवर) डब्ल्यूएमडी, क्यूसी 708 (प्रज्वल) सीआरएम 3, क्यूसी 707 (अंतर ध्वनि) सीआरएम 3, लीन क्यूसी 06 (ब्लैक डायमंड) कोक ओवन तथा लीन क्यूसी 05 (सागर) कोक ओवन एवं सीसी शामिल हैं जबकि एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त करने वाली टीमें हैं। लीन क्यूसी-01 सीआरएम-1,2, लीन क्यूसी-02 (ममता) बोकारो जनरल अस्पताल, क्यूसी 526 (संजीवनी) बोकारो जनरल अस्पताल, मॉडल कंपटीशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमें- क्यूसी 295 (मानसरोवर) डब्ल्यूएमडी, क्यूसी 708 (प्राजवल) सीआरएम-3 तथा क्यूसी 707 (अंतरध्वनि) सीआरएम-3 शामिल हैं।

सेल बोकारो स्टील प्लांट अपने सृजनशील कर्मियों के नवाचार कार्यों को सदैव ही प्रोत्साहित करते आ रहा है। बीएसएल ने रिकॉर्ड 20 टीमों को एनसीक्यूसी में भेजकर क्वालिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध किया है। इनोवेटिव कार्य को बढ़ावा देने के लिए बोकारो प्रबंधन सदैव अग्रणी रहा है। उल्लेखनीय है कि क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) द्वारा औरंगाबाद में आयोजित एनसीक्यूसी 2022 में देशभर के लगभग 600 संस्थाओं की कुल 2033 क्वालिटी सर्किल टीमें भाग ली।

जरूरतमंदों की मदद को मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने बढ़ाए कदम

बोकारो : प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् ने अपनी सांस्कृतिक व पारंपरिक विरासत को संजोए रखने के प्रयासों के साथ-साथ अब समाजसेवा की दिशा में भी अपने कदम बढ़ाए हैं। इन दिनों कड़ाके की ठंड के बीच विभिन्न जगहों पर घूम-घूमकर परिषद के पदाधिकारी गरीब-जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण करने में लगे हैं। परिषद के उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, महासचिव अविनाश कुमार झा, संयुक्त सचिव समरेन्द्र झा, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार झा, प्रेस सचिव अरुण पाठक, योजना सचिव मिहिर कुमार झा 'राजू', सहायक सचिव अविनाश झा अवि, सुनील चौधरी, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के उपाध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी आदि ने रातों में घूम-घूमकर कई जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। परिषद के महासचिव अविनाश झा ने बताया कि परिषद अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग है। परिषद की ओर से एक मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया जायेगा।

आक्रोश पूर्व सैनिकों और बैंककर्मियों में नाराजगी, आरोपी पुलिस अफसर पर कार्रवाई की मांग

कारगिल योद्धा से मारपीट के खिलाफ उबाल

संवाददाता

बोकारो : कारगिल लड़ाई के योद्धा रहे देवघर पीएनबी बैंक के सुरक्षा प्रहरी अशोक कुमार यादव के साथ देवघर थाना नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह द्वारा मारपीट के खिलाफ चौतरफा आक्रोश है। बोकारो में पूर्व सैनिकों और बैंककर्मियों ने इसके खिलाफ कैंडल मार्च निकाला और सेक्टर-4 स्थित गांधी चौक के पास अपना आक्रोश प्रदर्शन किया। उपस्थित लोगों ने देवघर नगर थाना प्रभारी के इस कृत्य को अमानवीय, निर्दयता एवं कर्तव्यहीन बताया।

कहा कि एक तरफ जहां पुलिस वालों की जिम्मेदारी, गुंडा और क्रिमिनल जैसे अपराधिक एवं असामाजिक तत्वों पर काबू पाकर समाज में शांति और सद्भाव पैदा करने की है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे पुलिस वाले खुद गुंडई पर उतर जाए तो हमारे समाज और हमारे देश में दहशत और अशांति निश्चित है। ऐसे पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी ही चाहिए। हम सभी बोकारो जिला के पूर्व सैनिक इस घटना की कड़ी से कड़ी निंदा करते हैं और ऐसे क्रूर पुलिस अधिकारी के लिए भारत की दंड संहिता के अंदर मौजूद सख्त से सख्त सजा की मांग करते हैं, ताकि पुलिस वालों की धूमिल हुई छवि वापस हो सके और पुलिस वालों के प्रति जनता का विश्वास जग सके।

मौके पर मिथिलेश कुमार, प्रभाष चंद्र, रविंदर, सुबोध कुमार, नीरज तिवारी, सिद्धेश नारायण दास, प्रदीप झा, राघव सिंह, राजेश ओझा, अरुण कुमार, दिनेश्वर सिंह, अजिता, नूतन, भावना, निशु, अनिल कुमार, एवं सैकड़ो की संख्या मे बैंक कर्मी, पूर्व सैनिक और बड़ी संख्या में आमलोग मौजूद रहे।

हफ्ते की हलचल

डीपीएस का आदित्य एनएसईजेएस में राज्यभर से अकेले सफल

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के एक और मेधावी छात्र ने राज्य में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरते हुए इस विद्यालय, बोकारो और पूरे झारखंड का नाम गौरवान्वित किया है। नौवीं कक्षा के छात्र आदित्य मिश्रा ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) की ओर से आयोजित नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन इन जूनियर साइंस (एनएसईजेएस)- 2022 में पूरे राज्य से अकेले सफलता पाई है। जबकि, देशभर से कुल 168 परीक्षार्थियों ने परीक्षा के दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई किया। यह परीक्षा 27 नवंबर 2022 को ऑफलाइन मोड में ली गई थी। इसमें सफल होने के बाद आदित्य अब आगामी 28 जनवरी को होने वाले आईजेएसओ (इंटरनेशनल जूनियर साइंस ओलंपियाड) की परीक्षा में शामिल होगा। अपने विद्यालय के छात्र की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने दूसरे चरण की परीक्षा के लिए उसे अपनी शुभकामनाएं दीं।

आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के बीच किया स्वेटर का वितरण

बोकारो : जिले के जरीडीह बाजार स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या- 38 में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी सह- झामुमो नेता अनिल अग्रवाल, मुखिया कंचन देवी, पंचायत समिति सदस्य पिंकी देवी, सुनीता देवी, वार्ड सदस्य पंच रानी देवी, रोबिन कसेरा, सविता देवी, पिंकी देवी आदि उपस्थित रहे।

मवेशियों में बीमारियों की रोकथाम को ले दिया प्रशिक्षण

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत फुट और माउथ डिजीज एवं ब्रुस्लोसीस, कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम तथा त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पशुओं के टीकाकरण और कृत्रिम गभार्धान को लेकर टीकाकर्मियों व कृत्रिम गभार्धान कार्यकताओं को विस्तार से जानकारी दी गई। यहां प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी डा. सुरेश कुमार, टीवीओ पूनम कुमारी किंडो सहित प्रशिक्षक दीपक कुमार खास तौर से उपस्थित थे। डा. सुरेश ने बताया कि सभी मवेशियों का टीकाकरण करना है, ताकि बीमारी के प्रकोप से पशुपालकों को कम से कम क्षति हो और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान नहीं हो। मौके पर गजेन्द्र सिंह, धर्मनाथ महतो, हीरालाल, शोभा देवी, पूनम देवी, राजकुमार, मरियम सना,चमेली देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संकल्प सृजन के समारोह में प्रतिभावान बच्चे हुए सम्मानित

बोकारो : समाजसेवी संस्था संकल्प सृजन का वार्षिक समारोह सेक्टर- 2डी स्थित मां अंबे गार्डन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे बाल सृजन केंद्र के लगभग 250 बच्चे शामिल हुए। समाज के अभिवंचित वर्ग के बच्चे बाल सृजन केंद्र संस्था द्वारा संचालित शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे विद्यालयों में संस्कारयुक्त शिक्षा ग्रहण करते हैं। संस्था के द्वारा 18 दिसंबर 2022 को आयोजित जिलास्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक दंडाधिकारी, चास कुमार कनिष्क थे। संकल्प सृजन के संकल्प को उन्होंने अद्वितीय बताया। इसके पूर्व, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुमार कनिष्क व विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद ऋषि झा सहित राजेंद्र कुमार, नीना नारायण, गणेश कुमार पाठक, ध्रुव शर्मा, डॉ. बीबी कश्यप, सुनील मोहन ठाकुर ने संयुक्त रूप से पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बोकारो जिले से बंसिमली, गंजूडीह एवं शहरी क्षेत्र से झोपड़ी कॉलोनी, दुंदीबाद बाजार, सोनाटांड़, सेक्टर- 9, सेक्टर- 8 एवं विभिन्न क्षेत्रों से 250 बच्चे शामिल हुए। संस्था के महासचिव साध्वी झा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि संकल्प सृजन समाज के निम्न वर्गों के बच्चों के उत्थान के लिए संकल्पित है। मौके पर संस्था की सदस्यों में मुख्य रूप से बीनू पाठक, सुनीता देवी, गीता देवी, रीता सिंह, आंचल, करिश्मा, सरिता, प्रिया, रिंकू, नीतू, कृष्णा, पूनम, आस्था, विभाष सिंह, शुभम आनंद, बलराम झा, पंडित चंचल झा आदि मौजूद रहे।

चुनावी समर का बिगुल फूंक गए शाह

देवेन्द्र शर्मा

रांची/चाईबासा : झारखंड में 2024 के चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज होती जा रही है। इस आग को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जोरदार हवा दे दी। चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित जोहार विजय संकल्प महारैली में 2024 के चुनावी समर का वह बिगुल फूंक गए। इसके लिए उन्होंने कार्यकर्ताओं में जहां एक नए जोश और उत्साह का संचार किया, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि 2024 में लोकसभा और विधानसभा में भाजपा के उम्मीदवारों को विजयी बनायेंगे। सभा में शाह सहित सभी भाजपा नेता मौजूदा राज्य सरकार और हेमंत सोरेन पर जमकर बरसे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि साल 2024 के चुनाव में फिर कमल खिलेगा। 28 मिनट के अपने संबोधन में आधे से अधिक समय तक उनके निशाने पर राज्य की हेमंत सरकार ही रही। शाह ने कहा कि इस राज्य में मुख्यमंत्री तो आदिवासी हैं, लेकिन यह सरकार आदिवासी विरोधी है। इस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए हेमंत सरकार को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि घुसपैठिए आदिवासी बहनों को धोखा दे रहे हैं। शाह ने कहा कि हेमंत सरकार ने रोजगार के नाम पर युवाओं को धोखा दिया। खतियान नीति के नाम पर आदिवासी समाज को धोखा दिया। शिक्षा के नाम पर नौनिहालों को धोखा दिया। चाईबासा क्षेत्र की बंदोबस्ती 1964 में हुई।

उन्होंने कहा कि जनजाति के भाई-बहन कान खोलकर सुन लें। पूरी बंदोबस्ती 1964 में हुई, अब ये कहते हैं कि 1932 के खतियान के आधार पर ही नौकरी देंगे तो चाईबासा वालों को नौकरी मिलेगी? ऐसा नहीं है कि हेमंत सरकार ने कुछ नहीं किया, उन्होंने भ्रष्टाचार किया। आदिवासियों की जमीन घुसपैठियों को दिया। जनजातीय महिलाओं की रक्षा की जगह अपनी वोट बैंक की राजनीति करना सुनिश्चित किया है।

उन्होंने कहा कि सिंहभूम से कमल भेज दीजिए, हम क्षेत्र का विकास करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद आपने पूरी की पूरी सरकार लुटेरों और दलालों के हाथ में दे दी। शाह ने कहा कि रघुवर दास को पूर्ण बहुमत मिला। राज्य में शिक्षा, रोड, बिजली के सभी काम पूरे किए। अब ऐसी सरकार आयी है, जिसने झारखंड को तबाह करके रख दिया है।

उन्होंने सवाल किया कि अटल जी ने जिस कल्पना के साथ झारखंड को बिहार से अलग करके जो सपना देखा था, क्या हेमंत सरकार उसे पूरा कर रही है? उन्होंने कहा कि हेमंत भाई कान खोल कर सुन लो, अब सब आपको जान गये हैं। आप वोट बैंक की राजनीति के लिए आदिवासी माता बहनों की रक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। झारखंड का ट्राइबल आपको माफ नहीं करेगा। जनसभा में अमित शाह ने केंद्र सरकार की योजनाओं को भी गिनाया। देवघर में एयरपोर्ट और एम्स सहित केंद्र सरकार की कई योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि हेमंत जी हमारे पास तो गिनाने के लिए अनगिनत काम हैं, लेकिन आपने तो सिर्फ भ्रष्टाचार किया है। शाह ने कहा कि फसल बीमा योजना 44 लाख, उज्ज्वला योजना 33 लाख, पीएम किसान योजना 27 लाख, 40 लाख शौचालय स्वच्छ भारत अभियान के तहत दिया। बाबानगरी देवघर में एम्स का निर्माण शुरू किया।

उन्होंने कहा कि देवघर, जमशेदपुर, दुमका और बोकारो में एयरपोर्ट का निर्माण शुरू हुआ। इसके साथ टाटानगर के धालभूमगढ़ में भी एयरपोर्ट बन रहा है। पतरातू में पावर प्लांट का निर्माण किया। पलामू, हजारीबाग, दुमका में मेडिकल कॉलेज बनाये। उन्होंने कहा- मैंने चाईबासा का मूड देखा है। मुझे पक्का भरोसा है कि 2024 में सिंहभूम सीट भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी। इस बार झारखंड की जनता सरकार बदलने जा रही है।

मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री सह केंद्रीय आदिवासी कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी व रघुवर दास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश व अन्य शीर्ष नेताओं ने भी रैली को संबोधित किया। सभी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा तथा 2024 के चुनाव में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया।

मुन्नी झा की समाजसेवा को मिली राष्ट्रीय ख्याति

नई दिल्ली में मिला सम्मानित 'नेशनल सोशल वर्कर अवार्ड'

संवाददाता

गोड्डा : गोड्डा और आसपास के इलाके में समाजसेवा के क्षेत्र में विगत कई वर्षों से नई इबारत रचनेवाली मुन्नी झा के सद्कार्यों को राष्ट्र स्तर पर ख्याति मिली है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के 8वें स्थापना दिवस पर इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं सम्मान समारोह के दौरान उन्हें नेशनल सोशल वर्कर अवार्ड 2023 प्रदान किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न सामाजिक, प्रशासनिक एवं राजनैतिक हस्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

मुन्नी झा ने कहा कि इस सम्मान का श्रेय क्षेत्र की जनता को जाता है। इससे समाजसेवा के क्षेत्र में उनकी जवाबदेही और बढ़ जाती है। इससे उन्हें और बेहतर करने की ऊर्जा मिलेगी। अब और पूरे उत्साह और नई ताकत के साथ वह जनसेवा का हरसंभव प्रयास करेंगी। सम्मान समारोह के दौरान विशिष्ट अतिथि गुरुदेव ललितानन्द गिरिजी महाराज, महामण्डलेश्वर निरंजनी अखाड़ा एवं महंत भारत माता मन्दिर हरिद्वार, माननीय नरेश बंसल राजसभा सदस्य (उत्तराखंड), ठा. रघुराज सिंह, श्रम एवं सेवा नियोजन राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, अंजना पंवार, निर्देशक एवं सदस्य राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग भारत सरकार, माननीय डॉ. राजेन्द्र धर, जिला जज उपभोक्ता न्यायालय साउथ दिल्ली, ज्योति कलश, अपर मुख्य सचिव नागालैंड सरकार, डॉ. चित्रलेखा शर्मा डायरेक्टर गृहमंत्रालय भारत सरकार, अशोक गोयल, पुलिस महानिरीक्षक भोपाल मध्यप्रदेश, भुवन चन्द्र जोशी, डीआईजी डायरेक्टर लोकसभा सुरक्षा संसद भवन नई दिल्ली, जे. एस. सुन्दरियाल ज्वाइंट सैकेट्री राज्य सभा नई दिल्ली, मोहन चन्द्र जोशी, जॉइन्ट डायरेक्टर, लोकसभा सुरक्षा संसद भवन नई दिल्ली, डॉ. धर्मपाल भारद्वाज राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित डिप्टी फायर चीफ ऑफिसर दिल्ली, फायर बिग्रेड दिल्ली पुलिस दिनेश शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कोयलानगरी बनेगी विज्ञाननगरी

धनबाद में जल्द होगी साइंस सिटी की स्थापना

विशेष संवाददाता

रांची : कोयलानगरी धनबाद जल्द ही विज्ञान नगरी यानी साइंस सिटी के रूप में विकसित होगी। केंद्र के सहयोग से साइंस सिटी सेंटर की स्थापना अब रांची की जगह धनबाद में होगी। इस सम्बन्ध में प्रशासनिक तैयारी प्रारम्भ कर दी गई है।

अलग राज्य झारखंड की स्थापना के कुछ समय बाद ही सरकार के आदेश पर राजधानी रांची के जिला प्रशासन ने साइंस सेंटर के लिए चिरौंदी स्थिति रीजनल साइंस सेंटर के बगल में जमीन उपलब्ध कराई थी, लेकिन वह जमीन साइंस सेंटर की स्थापना के लिए सही नहीं पाई गई। शहर से दूर साइंस सिटी की स्थापना के नाम पर काफी खर्च भी किया गया था, परन्तु योजना अधर में लटक गई। पिछले दिनों इसकी स्थापना पर सरकार हलचल में आई।

सिंदरी में बनेगा साइंस सेंटर, जांच में उपयुक्त मिली जमीन

नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड म्यूजियम, कोलकाता की जांच टीम ने धनबाद के सिंदरी में उपलब्ध जमीन देखने के बाद उसे इसके लिए सही माना है। वहां साइंस सेंटर की स्थापना के लिए सिंदरी खाद कारखाना के बगल में पर्याप्त जमीन भी उपलब्ध है। धनबाद को एक मौका मिल रहा है। साइंस सिटी के लिए जिला प्रशासन यदि त्वरित कार्रवाई कर जमीन उपलब्ध कराने का काम करती है त इस योजना के पूरा होने का मार्ग सफल हो सकता है।

मारवाड़ी सम्मेलन ने लगाया निःशुल्क नेत्रजांच शिविर

पुपरी : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पुपरी शाखा द्वारा जालान मंदिर पुपरी में निःशुल्क नेत्रजांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पुपरी के अनुमंडल पदाधिकारी नवीन कुमार एवं नवनिर्वाचित सभापति ब्रजेश जालान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित उपसभापति जयप्रकाश, वरिष्ठ चिकित्सक डा. श्रीपति झा और डा. रितेश जालान मौजूद रहे। शिविर में डॉ. नवीन, महेश गुप्ता, कार्यपालिक पदाधिकारी, अतिउर रहमान, अतुल कुमार आदि मौजूद रहे। शिविर में मोतियाबिंदऑपरेशन हेतु 185 मरीजो को चिह्नित किया गया। आयोजन की सफलता में स्थानीय शाखा अध्यक्ष श्याम बिहारी केजरीवाल, महामंत्री मानस जालान, संयोजक निखिल चौधरी, कोषाध्यक्ष शिव कुमार बागला और गोविंद जालान, अजय टिबरेवाल,अमर बाजोरिया, पंकज बाजोरिया, संजीत केडिया, अजय मित्तल, ब्रजेश बुबना, मोहित केजरीवाल, विकास चौधरी, संतोष जालान,रमेश केडिया, मनोज केजरीवाल, सुशील केजरीवाल, अनिल सराफ, मोहित केजरीवाल, मुकुंद जालान, गोविंद टिबरेवाल, सिद्धार्थ शर्मा, हर्ष बाजोरिया आदि की अहम भूमिका रही। सारण के मस्तिचक स्थित अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल में निःशुल्क आपरेशन के बाद चयनित मरीजों को विभिन्न सुविधाएं मुफ्त देकर उन्हें वापस उनके घर तक छोड़ा जाएगा।

शराब-तस्करी को ले इंडो-नेपाल बार्डर पर बढ़ी सख्ती

मधुबनी : बिहार में नकली शराब से कई लोगों की मौत के बाद इसके धंधे पर रोक लगाने की दिशा में सख्ती देखी जा रही है। इसी कड़ी में भारत और नेपाल सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है, ताकि नेपाल के रास्ते नकली शराब देश में न लाई जा सके। जनसुरक्षा के मद्देनजर अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी विप्लव कुमार ने क्षेत्र के चारों थानों के प्रभारी के साथ क्राइम मीटिंग की। इसकी अध्यक्षता डीएसपी विप्लव कुमार ने की। डीएसपी ने अनुमंडल के चारों थानेदारों को सख्त लहजे में निर्देश दिया कि हरहाल में इंडो-नेपाल बॉर्डर पर शराब धंधेबाजों पर नकेल को लेकर सख्त कार्रवाई करें और फरार शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजें। साथ ही शराब धंधेबाजों को चिह्नित कर कार्रवाई करने की योजना बनाएं, ताकि शराबबंदी कानून का पालन हो सके। एसडीओपी कुमार ने विशेष चौकसी बरतने का निर्देश दिया तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। साथ ही शराबियों की धर-पकड़ को लेकर निरंतर बॉर्डर इलाके में विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया।

मकर संक्रांति : 14/15 जनवरी, 2022 पर विशेष

सूर्य - जगत की आत्मा

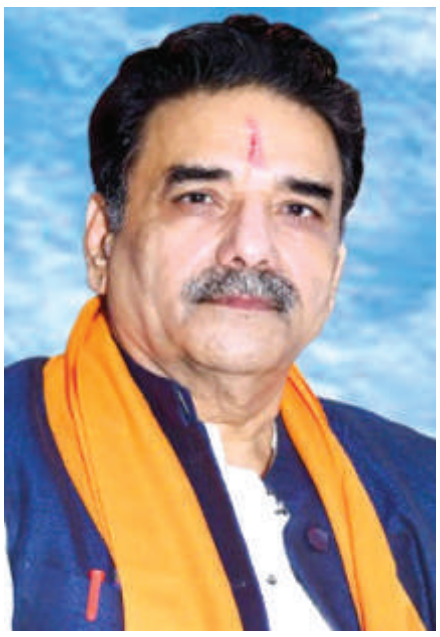

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

सूर्य से पृथ्वी पर जीवन है और सृष्टि के प्रारंभ से ही सूर्य की उपासना चली आ रही है। ज्योतिष शास्त्र में नौ ग्रहों में सूर्य को राजा का पद प्राप्त है।

मार्कण्डेय पुराण के अनुसार जब सृष्टि बनी तो संपूर्ण जगत बिना प्रकाश के था। विज्ञान भी मानता है कि सूर्य के बिना जीवन की कल्पना की ही नहीं जा सकती। वेदों में भी सूर्य को जगत की आत्मा कहा गया है। सूर्य से ही धरती पर जीवन संभव है। इसलिए वेदों की ऋचाओं में अनेक स्थानों पर सूर्य की स्तुति की गई है-

सूर्य के उदय होने से समस्त विश्व में मानव, पशु, पक्षी आदि क्रियाशील होते हैं। यदि सूर्य को विश्व समुदाय का प्रत्यक्ष देव अथवा विश्व परिवार का मुखिया कहें तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सूर्य नियमितता, तेज एवं प्रकाश के प्रतीक हैं। उनकी किरणें समस्त विश्व में जीवन का संचार करती हैं। भगवान सूर्य अपने कर्तव्य पालन में एक क्षण के लिए भी प्रमाद नहीं करते, कभी अपने कर्तव्य से विमुख नहीं होते। प्रत्येक मनुष्य में भी इन सदगुणों का विकास होना चाहिए। नियमितता, लगन, परिश्रम एवं दृढ़ निश्चय द्वारा ही मनुष्य जीवन में सफल हो सकता है तथा कठिन परिस्थितियों के बीच भी अपने लक्ष्य तक पहुंच सकता है।

ब्रह्मा विष्णु महेश आदि देवगणों का बिना साधना एवं भगवत कृपा के प्रत्यक्ष दर्शन होना संभव नहीं है। शास्त्रों की आज्ञानुसार केवल भावना के द्वारा ही ध्यान और समाधि में उनका अनुभव हो पाता है। किंतु भगवान सूर्य नित्य सबको प्रत्यक्ष दर्शन देते हैं। इसलिए प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य की साधना, उपासना करनी ही चाहिए।

वैदिक सूक्तों, पुराणों तथा आगमादि ग्रंथों में भगवान सूर्य की नित्य आराधना का निर्देश है। भगवान सूर्य अपनी कृपा से समस्त रोगों, शोक दोषों, ग्रह पीड़ाओं को दूर करके उपासक की संपूर्ण कामनाओं को पूर्ण करते हैं। भगवान सूर्य के अर्घ्य दान की विशेष महत्ता है। अर्घ्य दान से प्रसन्न होकर भगवान सूर्य आयु, आरोग्य, धन-धान्य, यश, विद्या, सौभाग्य, मुक्ति सब कुछ प्रदान करते है।

सकारात्मक ऊर्जा का अहम स्रोत

सूर्य सकारात्मक ऊर्जा का भी अहम स्रोत है। एक अध्ययन के अनुसार सूर्य प्रकाश के संपर्क में रहने से मस्तिष्क से सेरोटोनिन हार्मोन का स्राव होता है। यह व्यक्ति को खुशमिजाज बनाता है। सूर्य के प्रकाश से अनिद्रा दूर होती है। सुबह की गुनगुनी धूप में आधे घंटे की सैर बॉडी क्लॉक पर अच्छा असर डालती है। जिन घरों में सूर्य का प्रकाश नहीं जाता, वहां बीमारी होती ही है। ऐसे घर, जिनमें सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती, वहां सीलन के साथ कीड़े-मकोड़े होने की संभावना भी बढ़ जाती है और इसका स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। वास्तुकार भी मकान का नक्शा बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखते हैं कि घर में सही तरीके से सूर्य का प्रकाश पहुंचे। जिस घर में सूर्य का प्रकाश आता है, वहां रहने वाले लोग उत्साह व ऊर्जा से भरपूर होते हैं। सूर्य के प्रकाश से घर में सकारात्मक ऊर्जा मौजूद रहती है। इसलिए दिन में कम से कम एक बार, खासतौर पर सुबह कुछ देर के लिए ही सही, घर के सभी खिड़की, दरवाजे खोल देने चाहिएं, ताकि सूर्य का प्रकाश घर के भीतर तक आ सके

सूर्य और आरोग्य

सूर्य सिर्फ उजाले का ही नहीं, विटामिन 'डी' का भी अहम स्रोत है। विटामिन डी शरीर और हड्डियों के विकास के लिए बेहद जरूरी है। यह मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मल्टीपल स्क्लेरोसिस एक्सप्ले रोसिस आदि बीमारियों से बचाव और इलाज में सहायक हो सकता है। विटामिन डी की कमी से वयस्कों में हड्डियों, खासतौर पर कमर, पैरों और पसलियों में दर्द की समस्या होने लगती है। खून में विटामिन डी की कमी याददाश्त को कमजोर करती है, हृदय रोग का कारण बनती है। बच्चों को इसकी कमी अस्थमा का शिकार बना सकती है। विटामिन डी की कमी के चलते उम्रदराज लोगों का दिमागी संतुलन गड़बड़ा सकता है। हृदय रोग और हृदयाघात की संभावना बढ़ जाती है। विटामिन डी की कमी अवसाद का कारण भी बन सकती है।

धूप के संपर्क में आने पर त्वचा विटामिन डी का निर्माण करने लगती है। इस तरह सूर्य का हमारी सेहत के साथ गहरा नाता है। इसलिए भारत में, खासतौर पर सर्दियों में धूप सेकने की परंपरा रही है, जिसे रोज की आपाधापी में लोग भुलाते जा रहे हैं। अगर आप रोज सिर्फ 15 मिनट धूप में बैठते हैं तो विटामिन डी की पर्याप्त मात्रा में पूर्ति होती रहती है। वैसे तो सूर्य की रोशनी सभी के लिए समान रूप से लाभदायक होती है। परंतु सूर्य उपासना, साधना करके उनकी विशेष कृपा प्राप्त कर साधक सामान्य लोगों की अपेक्षा अधिक उन्नत हो सकता है तथा समाज में अपना विशिष्ट स्थान बना सकता है।

सूर्य संक्रांति- मकर संक्रान्ति

मकर संक्रांति के अवसर पर साधना-आराधना, पूजन, तप, दान, दक्षिणा का लोक व्यवहार में सदा से महत्व रहा है। अंतर केवल इतना है कि जहां सामान्य व्यक्ति केवल पूजन के द्वारा अपनी श्रद्धा भावना भगवान सूर्य को निवेदित करते हैं और श्रेष्ठ साधक दान, दक्षिणा प्रदान कर इस पर्व को पूर्ण करते हैं। जबकि, यह महापर्व तो भगवान सूर्य और भगवती महालक्ष्मी की साधना, मंत्र-जप, पूजन का पर्व है। जीवन में स्वस्थ होकर ही आर्थिक रूप से संपन्न बन सकते हैं। सूर्य आरोग्यता प्रदायक देव हैं। मकर संक्रांति को सूर्य अपनी ऊर्जा रश्मियों से साधकों को आरोग्यता प्रदान करते हैं और भगवती लक्ष्मी उस दिन अपनी कृपा से साधकों को संपन्नता प्रदान करती हैं, जिससे वे जीवन में दान-तप का आनंद प्राप्त कर सकें। मकर संक्रांति के पर्व को **प्राणश्चेतना के पर्व** की संज्ञा दी गई है। जब तक जीवन में प्राणश्चेतना का प्रवाह नहीं होता, तब तक न तो व्यक्ति स्वस्थ हो सकता है, न सुखी और न ही आर्थिक रूप से संपन्न होता है। मकर संक्रांति को सूर्य और लक्ष्मी साधना साधक को चतुर्विध प्रभाव प्रदान करने में समर्थ है। अपने नववर्ष का आरंभ ऊर्जावान, आरोग्यवान, बल और स्फूर्ति से परिपूर्ण होकर करने के लिए मकर संक्रांति साधनात्मक महापर्व पर सूर्य साधना अवश्य ही संपन्न करनी चाहिए।

।। ॐ आदित्याय विद्महे मार्तण्डाय धीमहि तन्नोः सूर्यः प्रचोदयात्।।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) – स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं बढ़ सकती हैं। रक्तचाप तथा पेट सम्बन्धी समस्याओं के प्रति सचेत रहें। लंबी यात्रा के योग बनेंगे। धन की लेनदेन में सावधानी बरतें। धैर्यपूर्वक अपने कार्य में लगे रहें।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) – स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शरीर में जोड़ों के दर्द, पेट संबन्धी बीमारियों के प्रति सावधान रहें। बनते-बनते कार्यों में विघ्न-बाधाएं आएंगी। स्वजनों से रिश्ते बेहतर करें। सामाजिक प्रतिष्ठा का ह्रास होगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) – स्वास्थ्य में सुधार होगा। मन प्रसन्नचित होगा। बन्धुजनों से लाभ होंगे। भाग्य में वृद्धि होगी। पदोन्नति के लिए समय ठीक है। पिता से लाभ प्राप्त होंगे। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) – आप अपने मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। लम्बी यात्रा के योग बनेंगे। धनागम के योग बनेंगे। शत्रुओं पर विजय। विद्यार्थियों को परिश्रम की विशेष जरूरत पड़ेगी। धार्मिक कार्यों में अभिरुचि बढ़ेगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) – स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़ेंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) – बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। अचानक लाभ हानि के योग बन सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे। जीवन अस्त-व्यस्त होने के कारण तनाव बढ़ सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) – स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन,वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) – सुख आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोडा मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) – स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सामान्य धन लाभ हो सकते हैं। आर्थिक लेन देन में सावधानी बरतें। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। राज्याधिकारियों से वाद विवाद हो सकते हैं। स्त्री सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) – स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) – स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। धन व्यय के आसार बढ़ेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है। धार्मिक क्रिया- कलाप के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) – स्वास्थ्य पर ध्यान रखने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में कार्य बढ़ने से तनाव बढ़ सकते हैं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यय में अधिकता होगी। व्यक्तिगत समस्यासों को अधिक प्राथमिकता दें।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

चुनौतियों और अवसरों का वर्ष 2023

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण

हर बीतने वाला साल आने वाले साल के लिए कुछ संदेश छोड़कर जाता है और हर आने वाला साल अपने गर्भ में ढ़ेर सारी संभावनाओं को आकार देने की प्रक्रिया के शुरू होने की घोषणा करता है। आर्थिक मंदी की मार झेलता देश, मानसिक विकृति के चरम पर पहुंचा समाज, पंगु होती न्याय-व्यवस्था और लाचार होता व्यक्ति आखिर क्या देना चाहता है 2022 आने वाले वर्ष 2023 को?

2023 की शुरूआत होते ही ग्रहों ने विशेष संबंध बनाने शुरू कर दिए हैं। शनि जहां आगे बढ़ कर नवनवोन्मेष विचारों को प्रस्तुत करने की बात कर रहा है, वहीं बुध कह रह है , जरा ठहरो ! पीछे जाकर चीजों पर पुनर्विचार करो तब आगे बढ़ो। मीन राशि का बृहस्पति, शनि की नजर से बचकर राहत की सांस लेगा, क्योंकि जब तक शनि की दृष्टि थी तब तक किसी भी सभा में बोलते वक्त उसे यही लगता था कि कहीं भद्द न पिट जाए.इस सोच की वजह से वह खुलकर काम नहीं कर पाता था। अब वह खुलकर काम कर पाएगा। शनि भी अब समाज की गंदगी को दूर करके उसे सर्वग्राही बनाने की दिशा में अपना प्रयास तेज करेगा।

1). अद्भुत संयोग है यह योग- यह समय जहां एक और संकल्प से सिद्धि का सूत्र पकड़ाता है, वहीं दूसरी ओर स्व में स्थित होकर, होश के साथ जोश से सृजन करने के लिए दिशा-निर्देश देता है। जुलाई 2023 में भारत की दशा बदलकर चंद्र/शुक्र की होगी। चुनावी प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन का संकेत है। दशांश में इन ग्रहों की युति से बनने वाले योग एवं चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की कुंडली के अनुसार 2023 जुलाई के बाद युगांतकारी परिवर्तन के आसार नजर आ रहे हैं। एक ऐसे बदलाव की शुरूआत होगी, जो शताब्दियों में एक बार होता है। न सिर्फ देश में अंदरूनी बदलाव होंगे, बल्कि सत्ता का विकेन्द्रीकरण भी होगा। 2023 की शुरूआत में ही गुरु का पाप कर्तरी में आना जहां एक ओर जातीयता को लेकर उग्र और हिंसक स्थिति बनने का संकेत दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भाषा को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव का भी संकेत।

2). संक्रमण और महामारी- असंतुलित बारिश, तापमान में अचानक से कमी और तेजी, के कारण यह वर्ष भी रोग युक्त वर्ष रहने वाला है, परन्तु भय में आने की स्थिति नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जारी किये गए दिशा-निर्देशों के साथ साथ स्वयं भी व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखा जाय। जीवनचर्या और खानपान में बदलाव लाया जाय। स्थिति नियंत्रण में रहेगी। एक महत्वपूर्ण, किन्तु चिंताजनक संकेत पानी से होने वाले रोगों में वृद्धि का मिल रहा है। लोगों के सजग होने और अनुशासित होने का समय है।

3). आर्थिक मंदी- हमारा जीवन आगे कुछ वर्षों तक सामान्य नहीं रहने वाला। आर्थिक मंदी से बाहर आने के लिए सरकार की तरफ से पुरजोर प्रयास के बावजूद परिणाम बेहद उत्साहवर्धक नहीं रहेगा, लेकिन यहां से आर्थिक क्षेत्र में एशिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाले देश के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएगा।

4). एक तरफ देश आजादी के अमृत महोत्सव रंग में रंगता चला जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ ग्रहों ने भी बृहस्पति के मार्गदर्शन में एक नया रंग, अमृत रंग की रचना करनी शुरू कर दी है। 2023 वह वर्ष होगा, जब भारतीय शिक्षा व्यवस्था,भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय न्याय व्यवस्था में हर स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किये जायेंगे नए नए अवसरों के द्वार खुलेंगे।

5). खेती किसानी- अनियंत्रित बारिश, कहीं खूब बारिश तो कहीं न के बराबर बारिश के बावजूद खेती किसानी के लिए पिछले वर्ष की अपेक्षा बेहतर वर्ष होगा?

6). जनसंख्या कानून- एक और महत्वपूर्ण संकेत जनसंख्या कानून को लेकर है। छठे भाव पर शनि का प्रभाव और षष्ठेश अष्टम भाव में होना इस विधेयक में बदलाव की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इस विधेयक की वजह से सरकार को कई तबके के आलोचना का पात्र बनना पड़ेगा। गुरु का साथ इस विधेयक को लेकर सरकार की नेक नियति का सन्देश दे रहे हैं।

7). देश में अराजक स्थिति बनाई जाने की कोशिश में तेजी आएगी। केंद्रीय सत्ता को कमजोर करने और केंद्रीय साख को धूमिल करने के लिए देश विरोधी शक्तियां अपने सारे दांव लगा देगी?

8). आधारभूत संरचना- सीमावर्ती इलाकों और सीमा क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत किया जाएगा। सिर्फ कूटनीतिक प्रयासों में ही तेजी नहीं लाई जाएगी, वरन् रक्षा तंत्र को और मजबूत किया जाएगा। घुसपैठियों की पकड़ के लिए सम्बंधित तंत्र को मजबूत किया जायेगा।

9). सतर्कता का संकेत- मंगल शनि सूर्य के साथ को गुरु शुक्र का समर्थन प्राप्त होना और मंगल और शनि के साथ के समय राहु का मेष राशि में होना, देश की सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने का संकेत तो दे ही रहे हैं, साथ ही साथ हम सभी को भी सतर्क और सचेत रहने का संकेत दे रहे हैं।

10). युद्धनीति में बदलाव- भारत के युद्धनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं। चीन के साथ किसी बड़े युद्ध की संभावना नहीं है, लेकिन हमें सतर्क और सचेत रहने की जरूरत है। चीन हमें देश की सीमा पर तो उलझाकर रखेगा ही, साथ ही साथ यह देश के भीतर भी अपना उपद्रवी प्रयास बढ़ाएगा। धर्म और जातीयता के नाम पर असंतोष बढ़ाकर आंतरिक रूप से देश को अस्थिर करने के प्रयासों में तेजी लाएगा। चीन अपनी छल नीति का प्रयोग करके हमें उकसाने का कार्य करेगा, विभिन्न षड्यंत्रों के माध्यम से हमें घेरने का प्रयास करेगा, लेकिन भारत उसके बिछाये जाल में नहीं फंसेगा। भारत अभी मजबूत स्थिति में है, परन्तु सीमा सम्बन्धी नीतियों में हमारी छोटी सी भी चूक आत्मघाती हो सकती है। जलीय मार्ग, समुद्री मार्ग पर हमें गिद्ध दृष्टि रखनी होगी। चीन के साथ साथ पाकिस्तान पर भी नजर रखे जाने की जरूरत है। एक बड़े जलीय दुर्घटना का संकेत ग्रहों द्वारा दिया जा रहा है।

11). मिशन पीओके पर कार्रवाई पिछले वर्ष की अपेक्षा तेज होगी।

12). भारत ही नहीं, वरन् विश्व में राजनैतिक और सैन्य गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे विश्व के कई देशों के साथ भारत के पहले से चले आ रहे व्यापारिक संबंध बाधित होंगे और नए संबंधों की नींव पड़ेगी।

13). सरकार के लिए, बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाना एक कठिन चुनौती होगी।

14). नवोन्मेषता- यह वर्ष नवोन्मेषी विचारों का संवाहक होगा। शोधार्थियों के लिए एक बेहतर वर्ष सबित होगा। असाध्य बीमारियों पर किए गए शोध कार्य को सम्मानित किए जाने का संकेत है। अपने देश में आर्थिक मंदी के बावजूद रोजगार के नए क्षेत्र का निर्माण होगा।

15). प्राकृतिक असंतुलन- 2023 के शुरूआत से ही प्रकृति का असंतुलन दिखेगा। पिछले वर्ष की अपेक्षा ज्यादा गर्म साल होगा। चक्रवातीय तूफान, भूकंप की स्थिति होने की संभावना है। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सावधान और सतर्क रहने का संकेत है।

16). अतिकामुकता और दूसरे के क्षेत्र पर अधिकार जताना, इन दो घटनाओं की वजह से अपमान और शर्म की स्थिति बन सकती है।

17). जगह-जगह छात्र आंदोलन की स्थिति से निबटना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

18). संविधान के अनुच्छेद 25 -30 में परिवर्तन कर अल्पसंख्यकों को परिभाषित किया जायेगा।

कुल मिलाकर यदि बीते वर्ष 2022 के अलोक में 2023 को देखा जाये तो यही कहा जायेगा कि 2023 नयी चुनौतियों का सामना करनेवाला साल तो होगा ही, साथ ही उन चुनौतियों से पार जाकर नए अवसर पैदा करने वाला साल भी होगा।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद् हैं।)

पत्नी - सुनो जी, अगर आपके बाल इसी रफ्तार से
झड़ते रहे तो मैं तुम्हे तलाक दे दूंगी...!
पति - हे भगवान, मैं पागल इनको बचाने की कोशिश कर रहा था...!!

बम देखकर संता अपने दोस्त से बोला...
संता- चल यार, पुलिस को दे देते हैं।
बंता- लेकिन इनमें से कोई बीच में ही फट गया तो?
संता- अरे यार, झूठ बोल देंगे... कहेंगे कि एक ही बम मिला था !

टीचर - एक टोकरी में 10 आम थे 3 सड़ गए तो कितने आम बचे...?
बन्टू - 10
टीचर - अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे...?
बन्टू - सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे...!

एक डाक्टर से...
पागल मरीज- डॉक्टर साहब, आप पिछले डॉक्टर से ज्यादा अच्छे हैं।
डॉक्टर (खुश होकर)- क्यों?
पागल मरीज (उत्साहित होकर)- क्योंकि आप हम लोगों जैसे ही लगते हैं।

पेज- एक का शेष

सर्द हुई...

आदेश दे दिया। राजधानी रांची में कोहरे और वायुमंडल में 79 प्रतिशत की आर्द्रता के कारण विजिबिलिटी कम हो गयी है, जिसकी वजह से रांची से कई फ्लाइट्स की उड़ान भी प्रभावित हुई। कुल मिलाकर, राज्य में ठंड का यह प्रकोप फिलहाल जारी रहेगा। तब तक लोगों को जाड़े से बचाव के हर एहतियात बरतने होंगे। लोग भरसक कर भी रहे हैं। बाजारों में गर्म कपड़ों, रूम हीटर, गीजर आदि की मांग बढ़ गई है। जगह-जगह लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। यह जतन अभी जारी रखना होगा।

सैमसंग ने उतारा कई खूबियों वाला गैलेक्सी बुक-2

★बाजार में नया★

सैमसंग ने कई खूबियों वाला अपना नया लैपटॉप, गैलेक्सी बुक2 गो पेश किया है, जिसमें स्नैपड्रैगन 7सी प्लस जेन 3 कंप्यूट प्लेटफॉर्म प्रोसेसर, 14 इंच की फुल एचडी एलसीडी स्क्रीन और बहुत कुछ है। जानकारों के मुताबिक नया गैलेक्सी बुक2 गो एक कॉपैक्ट, उच्च- प्रदर्शन वाला पीसी है जो गैलेक्सी बुक 2 रेंज के लिए एक किफायती प्रवेश बिंदु का प्रतिनिधित्व करता है। लैपटॉप पतला और हल्का है, जिसकी मोटाई 15.5 मिमी और वजन 1.44 किलोग्राम है। इसके अल्ट्रा-कॉपैक्ट चेसिस में पतले किनारे हैं और बेहतर कलर मैचिंग और दृश्य के लिए इन-प्लेन स्विचिंग (आईपीएस) तकनीक के साथ 14 इंच की फुल एचडी एलसीडी स्क्रीन पेश करता है। नए लैपटॉप ने मिल-एसटीडी-810एच परीक्षण भी पास कर लिया है, जो पुष्टि करता है कि यह अत्यधिक तापमान, ह्यूमिटिडी, झटके और वाइब्रेशन्स के लिए प्रतिरोधी है।

यह स्नैपड्रैगन 7सी प्लस जेनरेशन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित है, जिसके साथ यह उच्च प्रदर्शन प्रदान करता है। कंपनी के अनुसार, लैपटॉप लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ भी प्रदान करता है, ताकि उपयोगकर्ता एक बार चार्ज करने पर 21 घंटे तक का वीडियो देख सकें। खबर है कि गैलेक्सी बुक2 गो की मार्केटिंग 20 जनवरी, 2023 से विशेष रूप से सैमसंग साइट पर फ्रांस में की जाएगी।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
चंचल-चंचल है हर जंगल
जंगल में हलचल है हर पल
बिल, कोटर, घोंसले, खोह हैं
पशु-पक्षियों के गिरोह हैं
कीट-पतंगों का जंगल में
बसा अलग ही एक पूर्ण संसार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
विस्मित करते अंग-अंग हैं
गह-गह जीवन रंग-रंग हैं
बड़ा ढूह है यह दीमक का
समझो इसको किला अनोखा
तापमान इसके भीतर का
रहता इन कीटों के ही अनुसार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

प्रधानमंत्री ने मुख्य सचिवों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया

इन्फ्राट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, इन्नोवेशन और इंक्लूजन विकसित भारत के आधार : मोदी

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए देश बुनियादी ढांचे, निवेश, नवाचार और समावेश (इन्फ्राट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, इन्नोवेशन और इंक्लूजन) के चार स्तंभों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मुख्य सचिवों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत में अपना विश्वास जता रही है और हमें एक ऐसे देश के रूप में देखा जा रहा है, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता ला सकता है। उन्होंने कहा कि देश इसका पूरा फायदा तभी उठा पाएगा जब राज्य पहल करें, गुणवत्ता पर ध्यान बनाए रखें और भारत-प्रथम दृष्टिकोण के साथ निर्णय लें। उन्होंने कहा कि राज्यों को विकास समर्थक शासन, कारोबारी सुगमता, आसान जीवन और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रावधान पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जून 2022 में पिछले सम्मेलन के बाद से विकास के क्षेत्र में देश की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया, जिसमें भारत को जी20 की अध्यक्षता प्राप्त होना, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना, नए स्टार्टअप का तेजी से पंजीकरण होना, अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी खिलाड़ियों के प्रवेश, राष्ट्रीय रसद नीति का शुभारंभ, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की स्वीकृति, आदि जैसे अनेक उदाहरण शामिल हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यों और केंद्र को मिलकर काम करना चाहिए और प्रगति की रफ्तार को तेज करना चाहिए। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत देश के विभिन्न आकांक्षी जिलों में हासिल की गई सफलता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला मॉडल को अब एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम के रूप में ब्लॉक स्तर तक ले जाया जाना चाहिए। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने राज्यों में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम प्रोग्राम को लागू करें।

एमएसएमई को औपचारिक बनाने पर बल : एमएसएमई पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों को एमएसएमई को औपचारिक बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन एमएसएमई को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए हमें वित्त, प्रौद्योगिकी, बाजार और कौशल तक पहुंच उपलब्ध कराने की जरूरत है। उन्होंने और भी अधिक एमएसएमई को जीईएम पोर्टल पर लाने के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमें एमएसएमई को ग्लोबल चैंपियन और ग्लोबल वैल्यू चेन का हिस्सा बनाने के लिए कदम उठाने चाहिए। एमएसएमई के विकास में क्लस्टर के दृष्टिकोण की सफलता पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि अद्वितीय स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और उनके लिए जीआई टैग पंजीकरण प्राप्त करने के लिए एमएसएमई क्लस्टर और स्वयं सहायता समूहों के लिंकेज का लाभ प्राप्त किया जा सकता है, इसे 'एक जिला एक उत्पाद' के प्रयास से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्यों को अपने सर्वोत्तम स्थानीय उत्पादों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित एकता मॉल का उदाहरण भी दिया। प्रधानमंत्री ने अति-विनियमन और प्रतिबंधों के बोझ को याद किया जो कभी देश के सामने था और केंद्र और राज्य स्तरों पर हजारों अनुपालनों को समाप्त करने के लिए किए गए सुधारों को याद किया। उन्होंने पुराने कानूनों को समाप्त करने की आवश्यकता के बारे में भी बात की, जिनमें से कुछ आजादी के बाद से कायम हैं।

साइबर सुरक्षा ऑडिट प्रबंधन पर चर्चा : इस बात पर चर्चा करते हुए कि विभिन्न सरकारी विभाग एक ही दस्तावेज कैसे मांगते हैं, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रपत्रों के स्व-प्रमाणन, मान्य स्वीकृति और मानकीकरण की ओर बढ़ना आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टरप्लान पर चर्चा करते हुए बताया कि देश किस तरह भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने डेटा सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं के निर्बाध वितरण के लिए एक सुरक्षित टेक्नोलॉजी इन्फ्राट्रक्चर के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यों को एक मजबूत साइबर सुरक्षा रणनीति अपनाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह निवेश भविष्य के लिए एक बीमा की तरह है। उनके द्वारा साइबर सुरक्षा ऑडिट प्रबंधन और संकट प्रबंधन योजनाओं के विकास से संबंधित पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

तटीय क्षेत्रों के विकास पर जोर : प्रधानमंत्री ने देश के तटीय क्षेत्रों के विकास पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश का विशाल विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र संसाधनों से लैस है और देश के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान करता है। सर्कुलर इकोनॉमी के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ (पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली) और इसे आगे बढ़ाने में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

मोटा अनाज स्मार्ट भोजन : यह कहते हुए कि भारत की पहल पर, संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में घोषित किया है, प्रधानमंत्री ने कहा कि मोटा अनाज न केवल स्मार्ट भोजन है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है और भविष्य में एक स्थायी भोजन बन सकता है। उन्होंने कहा कि राज्यों को मोटे अनाज के उत्पादों से संबंधित अनुसंधान पर काम करना चाहिए जैसे प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन, ब्रांडिंग आदि और मोटे अनाज के उत्पादों के समग्र मूल्यवर्धन को बढ़ावा दिया जाता है। प्रधानमंत्री ने देश भर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों और राज्य सरकार के कार्यालयों में 'बाजरा कैफे' स्थापित करने पर भी चर्चा की, यह कहते हुए कि राज्यों में आयोजित होने वाली जी20 बैठकों में पोषक अनाज प्रदर्शित किया जा सकता है। राज्यों में जी-20 की बैठकों से संबंधित तैयारियों के लिए प्रधानमंत्री ने आम नागरिकों को शामिल करने के महत्व पर बल दिया। कहा कि इस तरह के 'सिटीजन कनेक्ट' को प्राप्त करने के लिए रचनात्मक समाधानों की परिकल्पना की जानी चाहिए।